>

Title: Need to ensure proper service conditions of Sevika/Sahayika in the country.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): महोदय, मेरे दो पन्ने का मांग पत्र है मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं कि मुझे पढ़ने दिया जाए।

सभापति महोदय : कृपया जल्दी कीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, देश भर में कार्यरत आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका की समस्याओं को मैं आपके माध्यम से सरकार को संज्ञान में लाना चाहता हूं। महोदय, आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका का मानदेय 1974 में प्रारंभ के समय इन्हें 200 रूपया प्रतिमाह दिया जाता था। वर्तमान में सेविका को तीन हजार रूपये एवं सहायिका को पन्द्रह सौ रूपये मानदेय दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में यह मानदेय क्या आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका के जीविकोपार्जन हेतु न्याय संगत है? यह एक बड़ा सवाल है। मैं इसका उत्तर माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं। जब तक आप न्याय संगत नहीं बनायेंगे, कार्यरत लोगों के हितों का ध्यान नहीं रखेंगे तब तक आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका में असंतोष फैलेगा और अन्य बुराइयां भी पनपेंगी।

इसी प्रकार मनरेगा के शुरूआती दौर में मजदूरी राज्य की न्यूनतम मजदूरी से कम रखी गई थी जिस पर कई जगह विरोध हुए तो सरकार ने निर्णय लिया कि मनरेगा की मजदूरी राज्य की मजदूरी के बराबर होनी चाहिए और कर भी दिया गया। यह स्वागत योग्य है पर आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका के बारे में सरकार अनिर्णायक रवैया अपना कर उनहें शोषित कर रही है। बच्चों को पोषाहार बांटने एवं उन्हें पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित करने का काम आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका द्वारा ठीक ढंग से किया जा रहा है पर सरकार उनके हितों की अनदेखी कर रही है। उन्हें समाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं कर रही है। ऐसे हालात में आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका द्वारा बड़े पैमाने पर जगह-जगह पूर्व में धरना प्रदर्शन भी अपनी मांगों को लेकर किया गया है। परन्तु सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी और अभी तक आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका के संबंध में कोई सार्थक निर्णय नहीं लिया गया है।

मेरी मांग यह है कि आँगनबाड़ी सेविका/सहायिकाके हितों को ध्यान में रखकर सरकार आँगनबाड़ी सेविका/सहायिकाको सरकारी शिक्षको के हित के बराबर रख कर, सरकारी कर्मचारी की भांति दर्जा दे और वह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराए जो सरकारी कर्मचारियों को सरकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है। जिससे ये आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका अपने भविष्य की चिंताओं से मुक्त हो कर, कार्यों में अपने को सही रूप से समर्पित कर सके।

महोदय, झारखंड प्रदेश आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका मेरे यहां एक वर्कर्स यूनियन है उसके अध्यक्ष मीणा सिन्हा जी हैं। उनके द्वारा आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका के लिए पन्द्रह मांग रखे गए हैं। मैं इन्हें दो मिनट में पढ़ दे रहा हूं। मैं इन मांगों का पूरी तरह से समर्थन कर रहा हूं। झारखंड के सभी लोग समर्थन कर रहे हैं। पहला, आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका की नियमावली बनाई जाए। सेविका/सहायिका को सरकारी नौकरी में क्रमशः तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के रूप में बहाली किया जाए।..(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी मूल भावना आ गई है।

श्री कामेश्वर बैठा : दूसरा, आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका को जब तक सरकारी कर्मचारी के रूप में बहाली नहीं किया जाता है तब तक सेविका को बीस हजार रूपये एवं सहायिका को दस हजार रूपये प्रति माह भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कृपया इसे आप मंत्री जी को दे दीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : वैसे आँगनबाड़ी सेविकाएं जिन्होंने स्नातक तक की डिग्री हासिल की हो तथा जिनका कार्यकाल कम से कम 10 वर्ष पूरा हो गया हो और कार्य का अनुभव रखती हो उन्हें तुंत महिला पर्यवेक्षिका के पद पर प्रोन्नति दिया जाए तथा उम्र सीमा से मुक्त रखा जाए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : इनकी पन्द्रह मांगे हैं। अब इनकी बात रिकार्ड में नहीं जाएगी। आप मंत्री जी को दे दीजिए।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय शून्य प्रहर में श्री कामेश्वर बैठा द्वारा उठाए गए विषय के साथ अपने-आप को संबद्ध करते हैं।